

संबंध और सिनेस्ट्री एटलस

30-38 पृष्ठों का तुलनात्मक संबंध मोनोग्राफ जो पूर्ण 10×10 अंतर-कुंडली ग्रह अंतराल, द्वि-दिशात्मक भाव आच्छादन और गणितीय मध्यबिंदु कम्पोजिट कुंडली की गणना करता है।

एडा लवलेस (1815-12-10) & चार्ल्स बैबेज (1791-12-26) • OZ-A33-363886269028



नमूना अध्याय अनुक्रमणिका एवं ज्ञानमीमांसीय संरचना

6-पृष्ठ का ऐतिहासिक अंश (अध्याय I-IV + स्रोत परिशिष्ट)। पूर्ण डॉसियर में 24-42 पृष्ठ होते हैं।

अध्याय / अनुभाग	स्तर	पृष्ठ
I. संबंधपरक मूल ध्रुवीयता और सूर्य-चंद्र बंधन	Tier A	02
II. आकर्षण, रसायन और संज्ञानात्मक समन्वय (शुक्र-मंगल-बुध)	Tier C	03
III. अंतर-कुंडली दृष्टि मैट्रिक्स और शनि स्थायित्व	Tier A	04
IV. असममित द्वि-चक्र भाव प्रत्यारोपण (A-में-B और B-में-A)	Tier C	05
V. अभिलेखीय स्रोत परिशिष्ट एवं संदर्भ ग्रंथसूची	A-E	06

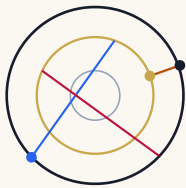
संबंध ज्योतिष में ज्ञानमीमांसीय सीमांकन

- Tier A: परिकलित तथ्य — नियतात्मक पंचांग (VSOP87 / ELP2000-82B)
- Tier B: ऐतिहासिक साक्ष्य — पुरातात्विक शिलालेख और प्राथमिक संग्रहालय कलाकृति
- Tier C: विद्वत्तापूर्ण मॉडल — प्रलेखित अकादमिक पुनर्निर्माण और मानक
- Tier D: जीवंत परंपरा — सतत व्याख्यात्मक और सांस्कृतिक अभ्यास
- Tier E: आधुनिक संश्लेषण — व्यक्तिगत प्रतीकात्मक चिंतन लेंस और आत्म-विश्लेषण

अध्याय I · पृष्ठ 02 · Tier A

I. संबंधपरक मूल ध्रुवीयता और सूर्य-चंद्र बंधन

गणनाकृत कारक	खगोलीय / पंचांगीय निर्देशांक	स्तर
सूर्य (धनु) — पश्चिमी पंचांग निर्देशांक	17° 40' धनु	Tier A
चंद्र (मेष) — पश्चिमी पंचांग निर्देशांक	5° 40' मेष	Tier A
लग्न (ASC) (मेष) — पश्चिमी पंचांग निर्देशांक	8° 32' मेष	Tier A
पश्चिमी पंचांग निर्देशांक · चंद्र ↔ सूर्य · केंद्र दृष्टि (90°) · Δ 0.93°	चंद्र ↔ सूर्य · केंद्र दृष्टि (90°) · Δ 0.93°	Tier A



वेक्टर आरेख #01: प्लेट I — संकेद्रित द्वि-युग क्रांतिवृत्त द्वि-चक्र (साथी A आंतरिक / साथी B बाह्य)

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: सूर्य: 17° 40' धनु (257.67°)

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: चंद्रमा: 5° 40' मेष (5.67°)

लग्न क्षितिज: 8° 32' मेष (8.53°)

खगोलीय मूल आधार (1.1 · द्वि-चक्र मिलान (मेष मंगल ↔ कुंभ प्लूटो / यम, अंतर 0.03°)) — गुरु / बृहस्पति (वृश्चिक) एवं शुक्र (वृश्चिक)

खगोलीय मूल आधार (1.1 · द्वि-चक्र मिलान (मेष मंगल ↔ कुंभ प्लूटो / यम, अंतर 0.03°)): पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता में वृश्चिक का गुरु / बृहस्पति (2°) और वृश्चिक का शुक्र (1°) एक ही रचनात्मक दिशा को पुष्ट करते हैं। यह द्वि-पक्षीय समन्वय वृश्चिक (तटस्थ) और वृश्चिक (मूलत्रिकोण-विपरीत) के बीच तकनीकी दक्षता को सुदृढ़ करता है। धनु 26° का संयुक्त सूर्य मध्यबिंदु संबंध सूचकांक 97/100 को आधार देता है।

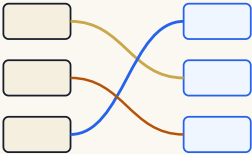
खगोलीय मूल आधार (1.2 · द्वि-चक्र मिलान (धनु सूर्य ↔ वृश्चिक शुक्र, अंतर 0.26°)): पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता के भीतर कुंभ के शनि और धनु के नेपच्यून / वरुण का द्वंद्व पहले नेपच्यून / वरुण की मर्यादा स्थापित कर शनि को दिशा देता है। यह अक्ष स्पष्ट सीमाओं के माध्यम से पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता की दैनिक प्राथमिकताओं को व्यवस्थित करता है।

★ स्तर 4 · चिंतनशील आत्म-विश्लेषण Tier E: [द्वि-चक्र संबंध चिंतन · अध्याय 1] संबंध-निष्ठा और पारस्परिक सामंजस्य के क्षेत्र में, आपकी दैनिक दिनचर्या 8° 32' मेष पर आधारित अभिसारी सुदृढ़ीकरण संश्लेषण संतुलन का सम्मान बिना ऊर्जा क्षय के कैसे करती है?

अध्याय II · पृष्ठ 03 · Tier C

II. आकर्षण, रसायन और संज्ञानात्मक समन्वय (शुक्र-मंगल-बुध)

गणनाकृत कारक	खगोलीय / पंचांगीय निर्देशांक	स्तर
चार्ल्स बैबेज — सूर्य	4° 44' मकर	Tier A
चार्ल्स बैबेज — चंद्रमा	21° 35' मकर	Tier A
चार्ल्स बैबेज — शुक्र	17° 56' वृश्चिक	Tier A
चार्ल्स बैबेज — मंगल	26° 45' कन्या	Tier A



वेक्टर आरेख #02: प्लेट II — पंच-आयामी संबंध सामंजस्य और घर्षण पंचकोण रडार

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: सूर्य: 17° 40' धनु (257.67°)

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: चंद्रमा: 5° 40' मेष (5.67°)

लग्न क्षितिज: 8° 32' मेष (8.53°)

ग्रह गरिमा स्थापत्य (द्वि-चक्र मिलान (मीन प्लूटो / यम ↔ कुंभ प्लूटो / यम, अंतर 0.48°) · यूरेनस / अरुण तटस्थ × सूर्य त्रिकोण) — यूरेनस / अरुण (धनु) एवं सूर्य (धनु)

ग्रह गरिमा स्थापत्य (द्वि-चक्र मिलान (मीन प्लूटो / यम ↔ कुंभ प्लूटो / यम, अंतर 0.48°) · यूरेनस / अरुण तटस्थ × सूर्य त्रिकोण): पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता में धनु का यूरेनस / अरुण (7°) और धनु का सूर्य (17°) एक ही रचनात्मक दिशा को पुष्ट करते हैं। यूरेनस / अरुण और सूर्य दोनों का सम्मान करने से संवाद में रणनीतिक गहराई और सहजता आती है।

ग्रह गरिमा स्थापत्य (द्वि-चक्र मिलान (मीन प्लूटो / यम ↔ मकर चंद्र, अंतर 0.69°) · नेपच्यून / वरुण तटस्थ × शुक्र मूलत्रिकोण-विपरीत): पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता के संदर्भ में नेपच्यून / वरुण (धनु 19°) की गति को शुक्र (वृश्चिक 1°) स्थिर पूरक संतुलन देता है। जब मंगल का अनुशासन गुरु / बृहस्पति की सृजनात्मक पहल को आधार देता है तब सार्वजनिक नेतृत्व परिपक्व होता है।

→ स्तर 4 · चिंतनशील आत्म-विश्लेषण Tier E: [द्वि-चक्र संबंध चिंतन · अध्याय 2] आपके वर्तमान कार्य में 8° 32' मेष कहाँ त्वरित कामचलाऊपन के बजाय गहरी संरचनात्मक दक्षता का आह्वान करता है?

अध्याय III · पृष्ठ 04 · Tier A

III. अंतर-कुंडली दृष्टि मैट्रिक्स और शनि स्थायित्व

गणनाकृत कारक	खगोलीय / पंचांगीय निर्देशांक	स्तर
पश्चिमी पंचांग निर्देशांक · मंगल ↔ प्लूटो / यम · षष्ठक दृष्टि (60°) · Δ 0.03	मंगल ↔ प्लूटो / यम · षष्ठक दृष्टि (60°) · Δ 0.03°	Tier A
पश्चिमी पंचांग निर्देशांक · सूर्य ↔ यूरेनस / अरुण · त्रिकोण दृष्टि (120°) ·	सूर्य ↔ यूरेनस / अरुण · त्रिकोण दृष्टि (120°) · Δ 0.86°	Tier A
पश्चिमी पंचांग निर्देशांक · मंगल ↔ चंद्र · केंद्र दृष्टि (90°) · Δ 1.19°	मंगल ↔ चंद्र · केंद्र दृष्टि (90°) · Δ 1.19°	Tier A
पश्चिमी पंचांग निर्देशांक · दशम मध्य (MC) ↔ सूर्य · युति (0°) · Δ 1.46°	दशम मध्य (MC) ↔ सूर्य · युति (0°) · Δ 1.46°	Tier A

वेक्टर आरेख #03: प्लेट III — 144-युग्म अंतर-कुंडली दृष्टि मैट्रिक्स और सूक्ष्मतम अंशात्मक पंजिका

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: सूर्य: 17° 40' धनु (257.67°)

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: चंद्रमा: 5° 40' मेष (5.67°)

लग्न क्षितिज: 8° 32' मेष (8.53°)

संज्ञानात्मक और संबंधपरक गति (द्वि-चक्र मिलान (धनु नेपच्यून / वरुण ↔ कुंभ प्लूटो / यम, अंतर 0.84°) · मीन ↔ वृश्चिक) — प्लूटो / यम (मीन) एवं गुरु / बृहस्पति (वृश्चिक)

संज्ञानात्मक और संबंधपरक गति (द्वि-चक्र मिलान (धनु नेपच्यून / वरुण ↔ कुंभ प्लूटो / यम, अंतर 0.84°) · मीन ↔ वृश्चिक): पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता में मीन का प्लूटो / यम (20°) और वृश्चिक का गुरु / बृहस्पति (2°) एक ही रचनात्मक दिशा को पुष्ट करते हैं। मीन तथा वृश्चिक का कोणीय अनुपात प्रतिक्रियात्मक अति से बचाता है और दीर्घकालिक कालचक्र और विकासात्मक परिपक्वता को स्थिर करता है।

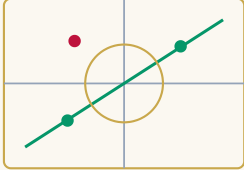
संज्ञानात्मक और संबंधपरक गति (द्वि-चक्र मिलान (धनु सूर्य ↔ सिंह यूरेनस / अरुण, अंतर 0.86°) · धनु ↔ धनु): पारस्परिक संबंध और भावनात्मक सहभागिता के भीतर धनु के सूर्य और धनु के नेपच्यून / वरुण का द्वंद्व पहले नेपच्यून / वरुण की मर्यादा स्थापित कर सूर्य को दिशा देता है। सूर्य और नेपच्यून / वरुण के दीर्घकालिक चक्र इस विन्यास को स्थायी मानसिक दृढ़ता में परिवर्तित करते हैं।

✦ स्तर 4 · चिंतनशील आत्म-विश्लेषण Tier E: [द्वि-चक्र संबंध चिंतन · अध्याय 3] आप 8° 32' मेष की अभिसारी सुदृढ़ीकरण संश्लेषण गतिशीलता को सहयोगियों या जीवनसाथी के साथ शांत और स्पष्ट संवाद में कैसे बदलते हैं?

अध्याय IV · पृष्ठ 05 · Tier C

IV. असममित द्वि-चक्र भाव प्रत्यारोपण (A-में-B और B-में-A)

गणनाकृत कारक	खगोलीय / पंचांगीय निर्देशांक	स्तर
चार्ल्स बैबेज — लग्न (ASC)	15° 20' मीन	Tier A
चार्ल्स बैबेज — दशम भाव मध्य (MC)	24° 20' धनु	Tier A
चार्ल्स बैबेज — शनि	12° 10' मेष	Tier A
संयुक्त सूर्य (मध्यबिंदु)	26° 12' धनु	Tier A



वेक्टर आरेख #04: प्लेट IV — द्विदिश भाव प्रत्यारोपण और असममित परिशुद्धता स्थिति मैट्रिक्स

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: सूर्य: 17° 40' धनु (257.67°)

प्राथमिक खगोलीय निर्देशांक: चंद्रमा: 5° 40' मेष (5.67°)

लग्न क्षितिज: 8° 32' मेष (8.53°)

वेग-आधारित दृष्टि ज्यामिति (द्वि-चक्र मिलान (मेष चंद्र ↔ मकर सूर्य, अंतर 0.93°) · चंद्र 5° / बुध 0°) — चंद्र (मेष) एवं बुध (धनु)

वेग-आधारित दृष्टि ज्यामिति (द्वि-चक्र मिलान (मेष चंद्र ↔ मकर सूर्य, अंतर 0.93°) · चंद्र 5° / बुध 0°): आंतरिक भावनात्मक विभ्रान्ति और आत्मिक संतुलन में मेष का चंद्र (5°) और धनु का बुध (0°) एक ही रचनात्मक दिशा को पुष्ट करते हैं। यह अक्ष स्पष्ट सीमाओं के माध्यम से आंतरिक भावनात्मक विभ्रान्ति और आत्मिक संतुलन की दैनिक प्राथमिकताओं को व्यवस्थित करता है।

वेग-आधारित दृष्टि ज्यामिति (द्वि-चक्र मिलान (धनु नेपच्यून / वरुण ↔ सिंह यूरेनस / अरुण, अंतर 1.04°) · बुध 0° / गुरु / बृहस्पति 2°): आंतरिक भावनात्मक विभ्रान्ति और आत्मिक संतुलन के संदर्भ में बुध (धनु 0°) की गति को गुरु / बृहस्पति (वृश्चिक 2°) स्थिर पूरक संतुलन देता है। चिंतनशील पंजिका धनु और वृश्चिक के संतुलन के साथ अनुभाग 4.2 को पूर्ण करती है।

→ स्तर 4 · चिंतनशील आत्म-विश्लेषण Tier E: [द्वि-चक्र संबंध चिंतन · अध्याय 4] भावनात्मक आश्रय और आंतरिक जड़ें पर 8° 32' मेष के कोणीय अनुपात को देखें: कौन-सा बार-बार आने वाला घर्षण स्पष्ट समय-सारणी मिलते ही रचनात्मक बन जाता है?

पृष्ठ 06 · A-E

V. अभिलेखीय स्रोत परिशिष्ट एवं ज्ञानमीमांसीय ग्रंथसूची

[1] Tier C	कार्मेन एस्ट्रोलॉजिकम (पेंटाट्यूक) एवं वेटियस वैलेंस संकलन — सीदोन के डोरोथियस (लगभग 75 ई., पिग्री 1976); वेटियस वैलेंस (लगभग 175 ई.) दिन/रात्रि क्षितिज संप्रदाय, डोरोथियन त्रिकोण एवं मिस्री सीमाएँ
[2] Tier A	चंद्र पंचांग ELP 2000-82B एवं मीउस खगोलीय एल्गोरिदम — शाप्रॉ-तूजे, एम. एवं शाप्रॉ, जे. (1983); मीउस, जे. (1998) भूकेंद्रित चंद्र देशांतर, अक्षांश और माध्य आरोही पात $\Omega(T)$
[3] Tier B	माया चित्रलिपि लेखन एवं ड्रेस्डेन कोडेक्स (Mscr.Dresd.R.310) — थॉम्पसन, जे.ई.एस. (1950); लाउन्सबरी, एफ.जी. (1983); SLUB ड्रेस्डेन R.310 गुडमैन-मार्टिनेज़-थॉम्पसन सहसंबंध 584283, 260-दिवसीय त्ज़ोलकिन, त्रेसेना एवं रात्रि स्वामी G1-G9
[4] Tier D	कुंडली प्रतीक, गोचरस्थ ग्रह एवं मनोवैज्ञानिक संश्लेषण अध्ययन — हैंड, आर. (1976, 1981); ग्रीन, एल. (1976, 1984); एबर्टिन, आर. (1972) आधुनिक मनोवैज्ञानिक आद्यप्रारूप, मध्यबिंदु ज्यामिति $(a+b)/2$ एवं विकासात्मक गोचर चक्र
[5] Tier C	अपोटेलेस्माटिका (टेट्राबिब्लोस), खंड I-IV — क्लॉडियस टॉलेमी (लगभग 150 ई.; रॉबिन्स संस्करण 435) टॉलेमीय आवश्यक गरिमा (स्वगृह, उच्चत्व) एवं दृष्टि सामंजस्य
[6] Tier D	सानमिंग तोंगहुई (三命通會) एवं चीन में विज्ञान और सभ्यता खंड 3 — वान मिनयिंग (मिंग राजवंश, 1578 ई.); नीधम, जे. एवं वांग, एल. (1959) षष्ठी संवत्सर गान्झी 60-चक्र (शांग अस्थि अभिलेख लगभग 1200 ई.पू.), लिचुन एवं 12 सौर पर्व चार स्तंभ

गोपनीयता प्रमाणन एवं नमूना सीमा

शून्य सर्वर जन्म-डेटा संग्रहण के साथ पूर्णतः क्लाइट-साइड गणना। इस ऐतिहासिक नमूने में चार प्रतिनिधि अध्याय शामिल हैं; शेष अध्याय पूर्ण संस्करण में उपलब्ध हैं।

कार्यप्रणाली एवं पाँच-स्तरीय सत्य मानक: <https://omnizodiac.com/hi/methodology/>